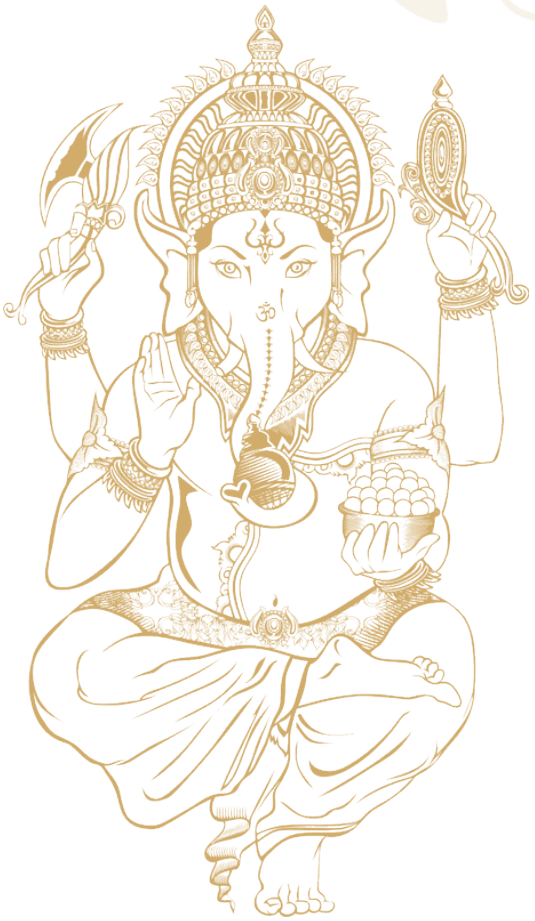

Parth

02 Aug 2022

01:20 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121113804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/08/2022**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:20:00 घंटे**
इष्ट	19:02:17 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:59:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:18 घंटे
साम्पातिक काल	09:42:47 घंटे
सूर्योदय	05:43:05 घंटे
सूर्यास्त	19:10:32 घंटे
दिनमान	13:27:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:51:27 कर्क
लग्न के अंश	24:16:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:16:33	307:43:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कर्क	15:51:27	00:57:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	07:48:27	12:41:01	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	24:45:12	00:38:31	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			सिंह	02:27:52	01:44:29	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	14:30:55	00:00:53	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	24:19:05	01:12:58	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		मक	28:38:50	00:04:19	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मेष	24:19:31	00:05:54	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:19:31	00:05:54	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			मेष	24:32:48	00:01:06	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		मीन	00:57:23	00:01:03	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	02:52:22	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	29:11:29	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:10

लग्न-चलित

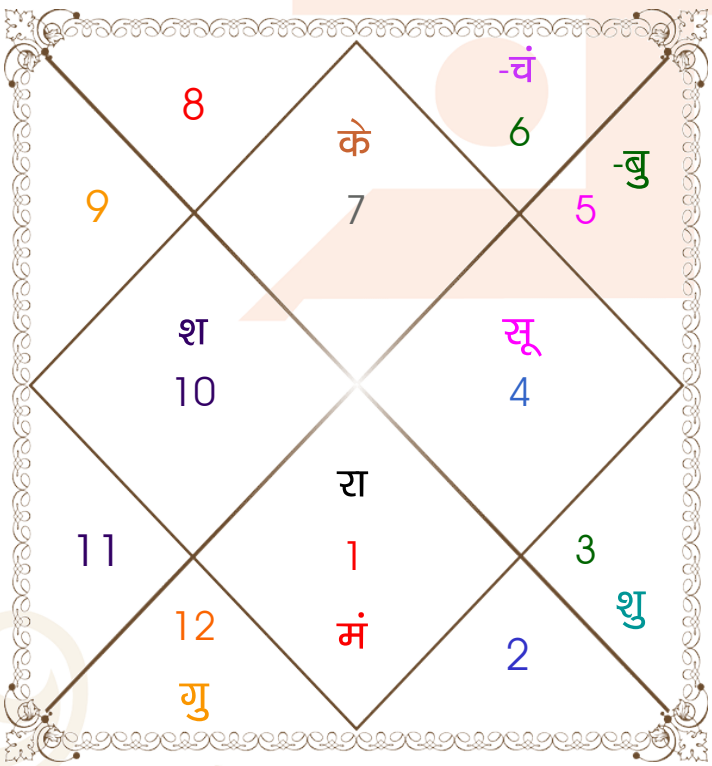

चन्द्र कुंडली

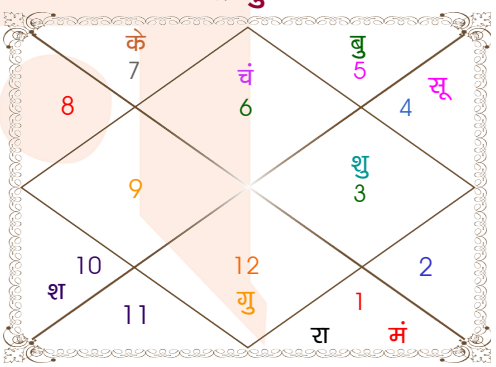

नवमांश कुंडली

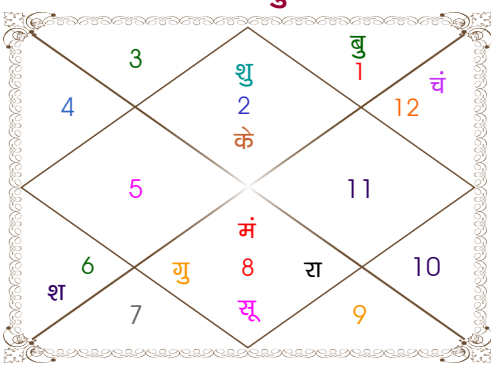

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 11 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/08/2022		28/07/2023		28/07/2033		28/07/2040		28/07/2058	
28/07/2023		28/07/2033		28/07/2040		28/07/2058		28/07/2074	
	00/00/0000	चंद्र	28/05/2024	मंगल	24/12/2033	राहु	10/04/2043	गुरु	14/09/2060
	00/00/0000	मंगल	27/12/2024	राहु	12/01/2035	गुरु	02/09/2045	शनि	29/03/2063
	00/00/0000	राहु	28/06/2026	गुरु	18/12/2035	शनि	09/07/2048	बुध	04/07/2065
	00/00/0000	गुरु	28/10/2027	शनि	26/01/2037	बुध	27/01/2051	केतु	09/06/2066
	00/00/0000	शनि	28/05/2029	बुध	23/01/2038	केतु	14/02/2052	शुक्र	07/02/2069
	00/00/0000	बुध	27/10/2030	केतु	22/06/2038	शुक्र	14/02/2055	सूर्य	27/11/2069
	00/00/0000	केतु	29/05/2031	शुक्र	22/08/2039	सूर्य	09/01/2056	चंद्र	29/03/2071
	02/08/2022	शुक्र	26/01/2033	सूर्य	28/12/2039	चंद्र	10/07/2057	मंगल	04/03/2072
शुक्र	28/07/2023	सूर्य	28/07/2033	चंद्र	28/07/2040	मंगल	28/07/2058	राहु	28/07/2074

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/07/2074		28/07/2093		29/07/2110		29/07/2117		29/07/2137	
28/07/2093		29/07/2110		29/07/2117		29/07/2137		03/08/2142	
शनि	31/07/2077	बुध	25/12/2095	केतु	25/12/2110	शुक्र	27/11/2120	सूर्य	15/11/2137
बुध	09/04/2080	केतु	21/12/2096	शुक्र	24/02/2112	सूर्य	28/11/2121	चंद्र	17/05/2138
केतु	19/05/2081	शुक्र	22/10/2099	सूर्य	01/07/2112	चंद्र	29/07/2123	मंगल	22/09/2138
शुक्र	19/07/2084	सूर्य	28/08/2100	चंद्र	30/01/2113	मंगल	28/09/2124	राहु	17/08/2139
सूर्य	01/07/2085	चंद्र	28/01/2102	मंगल	28/06/2113	राहु	28/09/2127	गुरु	04/06/2140
चंद्र	30/01/2087	मंगल	25/01/2103	राहु	17/07/2114	गुरु	29/05/2130	शनि	17/05/2141
मंगल	10/03/2088	राहु	13/08/2105	गुरु	23/06/2115	शनि	29/07/2133	बुध	23/03/2142
राहु	15/01/2091	गुरु	19/11/2107	शनि	01/08/2116	बुध	29/05/2136	केतु	29/07/2142
गुरु	28/07/2093	शनि	29/07/2110	बुध	29/07/2117	केतु	29/07/2137	शुक्र	03/08/2142

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।